2 भाषा कैसी-कैसी

(Kinds of Language)

देखिए, पढ़िए और समझिए–

रोहन बोलकर अपनी माँ से खाना माँग रहा है और माँ उसकी बात सुनकर जवाब दे रही है।

अतः बोलकर कहना और सुनकर समझना भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।

बच्चो! इस चित्र में अध्यापिका श्यामपट्ट पर लिखकर बच्चों को समझा रही है और बच्चे पढ़कर उसकी बात समझ रहे हैं।

अतः लिखकर समझाना और पढ़कर समझना भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि बोलना, सुनना, लिखना तथा पढ़ना – भाषा के अंग हैं।

तो बच्चो! अब आप समझ गए होंगे कि हम अपने मन की बात भाषा के द्वारा दूसरों तक किस प्रकार पहुँचाते हैं?

आओ दोहराएँ

- भाषा हमारे मन की बात दूसरों तक पहुँचाती है।
- भाषा के दो रूप हैं – मौखिक एवं लिखित।
- बोलना, सुनना, लिखना तथा पढ़ना भाषा के अंग हैं।

अब बताइए

(क) सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

1. हम अपने मन की बात दूसरों के पास किसके द्वारा पहुँचाते हैं?

   (i) भाषा के ☐ (ii) रेलगाड़ी के ☐

2. मम्मी से खाना माँगते समय आप किस भाषा का प्रयोग करते हैं?

   (i) लिखित ☐ (ii) मौखिक ☐

3. आपकी पुस्तकें किस भाषा की उदाहरण हैं?

   (i) मौखिक ☐ (ii) लिखित ☐

(ख) चित्र देखकर बताइए कि बच्चे क्या कर रहे हैं?

.....

.....

.....

.....

(ग) चित्र देखकर बताइए कि इनमें भाषा के किस रूप का प्रयोग हो रहा है–

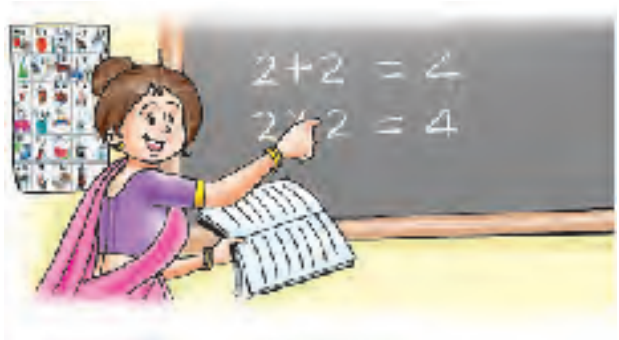

.....

.....

(घ) रात को आपकी दादी जी, नानी जी, बुआ जी, या मम्मी जी आपको कहानी सुनाती होंगी और आप बार-बार नई कहानी सुनाने के लिए उनसे ज़िद भी करते होंगे। उस समय आपका ज़िद करना और उनका कहानी सुनाना भाषा के किस रूप का उदाहरण है?

.....